Roll No. ..... Total Pages : 4

3642-P

B.A. Third Year (Private) Examination, 2015

SANSKRIT

Paper–II

(इतिहास, दर्शन, अनुवाद, व्याकरण एवं निबन्ध)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड–अ [Marks : 20

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–ब [Marks : 50

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–स [Marks : 30

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–अ

(इकाई–I)

1. (क) महाभारत के रचयिता के नामोल्लेख पूर्वक पर्वों की संख्या बतलाइए।

   (ख) भवभूति के प्रसिद्ध नाटक का प्रधान रस पूर्वक नामोल्लेख कीजिए।

(इकाई–II)

(ग) बौद्ध दर्शन के आर्य सत्यों के नाम लिखिए।

(घ) भगवद्गीता का उपदेश किसने किसको दिया था?

(इकाई–III)

(ङ) 'संस्कृतभाषा भारतवर्ष की प्राचीनतम भाषा है' का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

(च) 'राम के वन जाने पर दशरथ ने प्राण त्यागे' का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

(इकाई–IV)

(छ) 'गत्वा' में प्रकृति प्रत्यय बतलाइए।

(ज) ङीप् प्रत्ययान्त शब्द लिखिए।

(इकाई–V)

(झ) 'भारतीय संस्कृति' पर एक वाक्य संस्कृत में लिखिए।

(ञ) 'विद्या के महत्त्व' पर एक वाक्य संस्कृत में लिखिए।

खण्ड–ब

(इकाई–I)

2. रामायण एवं महाभारत का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

3. कालिदास के महाकाव्यों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

(इकाई–II)

4. निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः।
आगमपायिनोऽनित्यास्तांस्तितिक्षस्व भारत।।

(ख) यदा संहरते चायं कूर्मोऽङ्गानीव सर्वशः।
इन्द्रियाणीन्द्रियार्थेभ्यस्तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता।।

5. न्याय-वैशेषिक दर्शन के अनुसार 'ईश्वर' पर एक लेख लिखिए।

(इकाई–III)

संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

6. सज्जनों के आचार को शिष्टाचार कहा जाता है। सज्जन पुरुष सदा दूसरों का उपकार करते हैं। वे बड़ों का आदर-सम्मान करते हैं। दूसरों के दु:ख में दु:खी होते हैं। वे अपने स्वार्थ की सिद्धि के लिए दूसरों को हानि नहीं पहुँचाते हैं।

7. वर्तमान में स्त्री शिक्षा की महती आवश्यकता है। शिक्षा के द्वारा ही कर्तव्य-बोध होता है। शिक्षा के अभाव में कोई कन्या विवाह होने पर गृहस्थाश्रम के दायित्व का निर्वाह नहीं कर सकती। यदि पुरुष विद्वान् और स्त्री विद्या-शून्य हो तो उन दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखकर नहीं होगा।

(इकाई–IV)

किन्हीं **चार** का मुख्य सूत्र-निर्देशपूर्वक प्रकृति प्रत्यय बतलाइए।

8. ज्ञात्वा, कम्पमानः, पठितुम्, कार्यम्, पाकः, नेतव्यः।

9. गोमान्, शिशुत्वम्, जनता, अजा, गौरी, मन्दा।

(इकाई–V)

किसी **एक** विषय पर संस्कृत में निबंध लिखिए।

10. मम प्रियकविः **अथवा** सत्संगति।

11. उद्योगस्य महत्त्वम् **अथवा** महाविद्यालयः।

खण्ड–स

(इकाई–I)

12. संस्कृत गद्य साहित्य की प्रमुख कृतियों का परिचय दीजिए।

(इकाई–II)

13. भगवद्गीता के अनुसार निष्काम कर्मयोग का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

(इकाई–III)

14. संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

भारतवर्ष ग्राम-प्रधान देश है। अधिक जनता गांवों में रहती है। ग्रामवासियों को ग्रामीण कहा जाता है। इनका जीवन बहुत सरल व निष्कपट होता है। इनकी वेशभूषा भी साधारण होती है। इनका लक्ष्य होता है–सादा जीवन और उच्च विचार। ये बहुत परिश्रमी होते हैं। इनके कठोर परिश्रम का ही फल है कि हमें अनायास अन्नादि प्राप्त होते हैं। ग्रामीण जन स्वस्थ और हृष्टपुष्ट होते हैं।

(इकाई–IV)

15. प्रमुख सूत्र के उल्लेख पूर्वक प्रकृति प्रत्यय बतलाइए :

प्रियंवदः, भोक्तुम्, हार्यम्, चेतव्यः, कुमारी, अश्वा।

(इकाई–V)

16. 'संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्' विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए।